हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, जुलाई 8, 2024

11 बरसात के मौसम में झोझूकलां क्षेत्र में हजारों

12 मांगें पूरी नहीं होने से कम्प्यूटर लैब सहायकों ....

खबर संक्षेप

भिवानी। छात्रा को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नैन्सी ने पास की नवोदय की परीक्षा

भिवानी। विकास उच्च विद्यालय, राजगढ़ भिवानी की 9 जी क्लास की नैन्सी पुत्री राजपाल राजगढ़ ने नवोदय की परीक्षा में सफलता हासिल की। नैन्सी की मम्मी ने इस खुशी में विद्यालय आकर टीचर और प्रींसिपल का धन्यवाद किया और सभी टीचर्स का मुंह मीठा कराया। प्रधानाचार्य ने नैन्सी, उसकी तैयारी करवाने वाले स्कूल स्टाफ मेडम गायत्री देवी, उर्मिला, कौशल्या, सीमा देवी को बधाई दी।

इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया ने लोकेश को डॉक्टरेट की मानद उपाधि दी

दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह में स्टैंड विद नेचर के संस्थापक लोकेश का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह में स्टैंड विद नेचर के संस्थापक एवं राष्ट्रीय पर्यावरण कार्यकर्ता लोकेश भिवानी को इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई। ये उपाधि उन्हें उनके पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान एवं समर्पण के लिए दी गई हैं। समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि कुशवाहा, एडवोकेट सीमा समृद्धि कुशवाहा व देश के अनेक महत्वपूर्ण व्यक्तित्व उपस्थित थे। सभी ने लोकेश भिवानी के कार्यों की सराहना की और उनके प्रयासों को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। लोकेश ने इस सम्मान के लिए इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ये उपाधि न केवल मेरे लिए बल्कि

भिवानी। सम्मान समारोह में लोकेश भिवानी को इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की तरफ से डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित करते आयोजक व अतिथि।

पूरे 'स्टैंड विद नेचर' टीम के लिए गर्व की बात है। ये हमें और अधिक उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ काम करने के लिए प्रेरित करती रहेगी। हमारा लक्ष्य है कि हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाएं और एक हरित भविष्य का निर्माण करें। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुशवाहा ने कहा लोकेश ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, उनकी मेहनत एवं समर्पण ने अनेक लोगों को प्रेरित किया है। एडवोकेट सीमा समृद्धि कुशवाहा ने कहा हमारे देश को ऐसे युवा नेतृत्व की आवश्यकता है, जो पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के क्षेत्र में मार्गदर्शन करें। लोकेश भिवानी एक प्रेरणास्रोत हैं। समारोह के अंत में अतिथियों ने मिलकर 'स्टैंड विद नेचर' के आगामी परियोजनाओं के बारे में चर्चा की।

ये हैं प्रमुख उपलब्धियां

लोकेश भिवानी की प्रमुख उपलब्धियां में वर्ष 2019 में जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर हरियाणा की साइकिल यात्रा निकालकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में जागरूक करने का काम किया। 2020 में जलवायु परिवर्तन जागरूकता को लेकर पूरे देश में यात्रा की। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर जागरूकता को लेकर प्रदेश का पहला संगठन व देश के प्रमुख संस्थाओं में शामिल। लोकेश यूनाइटेड नेशंस व वर्ल्ड बैंक के कार्यक्रमों में शामिल हो चुके हैं।

देशभर में 20 पर्यावरण पंचायतों का आयोजन

लोकेश देशभर में 20 पर्यावरण पंचायतों का आयोजन कर चुके और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करने व पेड़ों की कटाई न करने के प्रति जागरूक कर चुके हैं। 'स्टैंड विद नेचर' संगठन के देशभर में लगभग पांच हजार से ज्यादा पर्यावरण कार्यकर्ता हैं। लोकेश भिवानी देशभर में 100 से ज्यादा संस्थाओं से सम्मानित हैं। संगठन आठ हजार से ज्यादा पौधें लगाकर उनका संरक्षण कर रहा है।

चुहड़ सिंह के बाजारी क्षेत्र के नाले शिल्ट से पूरी तरह अटे, गलियों में फैला गंदा पानी

बारिश में लोगों के घरों में घुस रहा पानी, बीमारियों फैलने की आशंका से लोग सहमे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी/बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। गंदे पानी की निकासी को लेकर नारेबाजी करते हुए और भिवानी में हालवासियों की हवेली के पास ओवरफ्लरे होते नाले। फोटो : हरिभूमि

प्रशासनिक अधिकारी भले ही शहर के नाले व नालियों की सफाई के लंबे चौड़े दावे करते हो,लेकिन हकीकत कोसों परे हैं। गिने चुने नाले व नालियों की सफाई की,लेकिन अंदरूनी शहर के नाले व नालियां आज भी गंदगी से अटी पड़ी है। हालात ये हैं कि नालों में कहीं पर डेढ तो कहीं पर पौने दो फुट तक शिल्ट जमा है। शिल्ट की वजह से घरों से निकलने वाला पानी आगे बहने की बजाए सड़कों व गलियों में पानी पहुंच रहा है। जरा सी बारिश आने पर पानी आगे बहने की बजाए वापस लोगों के घरों में पहुंच रहा है। इस बारे में कई बार जिला प्रशासन से शिकायत की,लेकिन आज तक इन नालों की सफाई नहीं हो पाई है।

वैसे तो खाकी बाबा मंदिर इलाके के सभी नालों की हालत पतली है। ऐसा कोई नाला नहीं है,जिसमें एक से डेढ़ फुट तक गाद न जमी हो,लेकिन चुहड़ सिंह की बाजारी इलाके की स्थिति तो ओर भी दयनीय है। इन नालों से पानी आगे बहने की बजाए गलियों या सड़कों से ही पानी आगे निकल रहा है। यह स्थिति उक्त पूरे इलाके की बनी है।

नहीं हो रहा समाधान

क्षेत्र के लोगों ने बताया कि कई बार नालों की सफाई की जिला प्रशासन से शिकायत की,लेकिन आज तक समाधान नहीं हो पाया है। कायदे से बारिश का सीजन शुरू होने से पहले इन नालों की सफाई हो जानी चाहिए। ताकि बारिश के दिनों में शहर में जलभराव की स्थिति न बन पाए,लेकिन शहर के बाहरी इलाकों के कुछ नालों की शिल्ट निकाली गई,लेकिन अंदरूनी शहर के नालों की सफाई ही नहीं हो पाई। जिसकी वजह से नालों का पानी सड़कों पर फैल रहा है।

बवानीखेड़ा में लीकेज सीवरेज व्यवस्था से कस्बावासी परेशान: बवानी खेड़ा के शहीद गुलाब सिंह पार्क के सामने रोड़ पर सीवरेज की लीकेज होने पर कस्बावासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया जिसको लेकर उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हुए रोष प्रदर्शन किया। वहीं विभाग के कनिष्ट अभियंता ने इसे सोमवार तक ठीक करवाने की बात कही। उल्लेखनीय है कि बवानी खेड़ा में जबसे सीवरेज की लाइन बिछाई गई हैं तभी से कस्बावासियों के लिए यह प्रणाली जी का जंजाल बनी हुई है। हलके के नुमाइंदे एवं राज्य मंत्री स्वतंत्र भार बिसंबर वाल्मीकि ने भी सीवरेज प्रणाली को दोबारा से बिछवाने का आश्वासन दिया था। लेकिन यह प्रणाली जस की तस मौजूद है। कस्बावासियों में श्रीभगवान नाहड़िया, नौरंगदास, विनोद कुमार, जोगेन्द्र काजल, धर्मवीर, विनोद,विकास, संजय वर्मा, अरविंद सैनी, कालू, गोली आदि ने रोष जाहिर करते हुए बताया कि शहीद गुलाब सिंह पार्क कस्बा की शान है और यहीं पर मुख्य मार्किट है। मार्किट की शुरूवात में ही हांसी.भिवानी मुख्य मार्ग पर पिछले दो सप्ताह से सीवरेज का गंदा पानी बाहर निकलकर खानपान की रेहड़ियों से गुजरता है जिससे यहां पर ठहरना मुश्किल हो गया है। मार्किट में ग्राहकों की आवाजाई कम हो गई है। राहगीरों को मुंह ढ़ांपकर निकलने पर मजबूर होना पड़ रहा है। बार बार विभाग को अवगत कराने पर स्थाई समाधान नहीं हो रहा है।

क्या कहते हैं अधिकारी

इस बारे जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कनिष्ट अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि महिला महाविद्यालय के पास स्थित संस्था के साथ लगती दीवार को गिरा दिया गया है जिससे सीवरेज प्रणाली प्रभावित हुई है। मानसून में इसकी मरम्मत नहीं हो सकती है। लेकिन सोमवार को मशीन से इस समस्या के समाधान का प्रयास किया जाएगा ताकि किसी को दिक्कत न हो।

मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने 1500 पौधे लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- ग्रामीणों की प्रत्येक समस्या का जल्द समाधान करवाने के लिए जिला प्रशासन गंभीर : एडीसी

मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन द्वारा मानसून के मौसम को देखते हुए चलाए जा रहे महापौधरोपण अभियान के तहत रविवार को संगठन ने वन मंडल एवं जिला प्रशासन की देखरेख में संयुक्त अभियान चलाकर जिले के नौ गांवों में करीबन 1500 पौधों का रोपण कर अनेक गांवों में ग्रामीणों की जनसमस्याएं भी सुनी। अधिकारियों ने अधिकत्तर समस्याओं का मौके पर निपटान किया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में चरखी दादरी के अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ज्ञानेंद्र छिल्लर ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की।

संगठन के युवा विंग के अध्यक्ष अनिल बलवान साहु ने बताया कि पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान पैंतावासाकलां, पैंतावास खुर्द, मानकावास, पांडवान, बिरहीकलां, बिरहीखुर्द, खेड़ी बत्तर, खेड़ी बूरा, फतेहगढ़ आदि नौ गांवों में करीबन 1500 पौधों का रोपण कर ग्रामीणों को पौधें संरक्षण की शपथ दिलवाई और भविष्य में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बढ़-चढ़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साहु ने बताया कि जनसमस्या सुनने के लिए छोटूराम मंदिर, देहीराम पार्क, दादा सांगु धाम, जांगिड़ ब्राह्मण धर्मशाला, सीएचसी सैंटर, ग्राम सचिवालय, सार्वजनिक धर्मशाला में कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम के तहत संगठन ने ग्रामीणों की तरफ से अतिरिक्त उपायुक्त को गांव पैंतावास कला में पार्क में झूले की समस्या से अवगत करवाया। साहु ने एडीसी को बताया कि गांव पैंतावास खुर्द में सार्वजनिक तालाब गांव का गंदा पानी मिक्सअप होता है, उसके बीच में डोला बनवाने की जरूरत है, जिस पर एडीसी ने सहमति जताकर जल्द समाधान करवाने का आश्वासन दिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व सरपंच आनंद, पूर्व सरपंच जगबीर, हिंद केसरी धर्म पहलवान, तुलसीराम, बलबीर, सुरेश इंस्पेक्टर, रामपत, नरेंद्र पंडित, उमेद सिंह, महेंद्र, सूरत, अजीत, बजरंग्र लाल, सज्जन फौजी, रघुबीर, अमरजीत सोनू सरपंच, अशोक पहलवान, राजकुमार डाला, सोमबीर पंच, राजकरण, आशीष, प्रियव्रत, गोगी, अनिल, जोरा, धीरपाल पूर्व सरपंच, संदीप पंच आदि मौजूद रहे।

रतिपाल लिफ्ट मौत मामले में पुलिस ढिलाई के विरोध में बुधवार को होगी लोहारी जाटू गांव में महापंचायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- मौजिज लोगों की पंचायत में लिया फैसला, पुलिस की ढिलाई पर जताई नाराजगी

लोहारी जाटू निवासी रतिपाल की मौत को 15 दिन का अरसा बीत गया,लेकिन आज तक पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करके अपने कार्य की इतिश्री कर ली। पुलिस की ढिलाई के विरोध में रविवार को लोहारी जाटू में मौजिज लोगों की पंचायत हुई। पंचायत में मामले की जांच की समीक्षा की। साथ ही जिन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए था। उन धाराओं के तहत मामला दर्ज न करने पर भी अपत्ति जताई। मौजिज लोगों का तर्क था कि जिस दुकान या गोदाम में हादसा हुआ है। उसमें लिफ्ट लगी हुई थी,लेकिन लिफ्ट की परमिशन ही नहीं थी। साथ ही लिफ्ट जर्जर हालत में थी। अगर जर्जर हालत में थी तो लिफ्ट को बंद क्यों नहीं किया। इसके लिए दुकान या गोदाम मालिक भी जिम्मेदार है। उनको पता था कि जर्जर हालत में लिफ्ट है,फिर रतिपाल व अन्य युवक को गोदाम में नहीं भेजना चाहिए था।

शहर में धूमधाम से निकाली भगवान जगन्नाथ रथयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जगन्नाथ रंग में रंगे भिवानी शहर में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इसमें भाग लिया। रथयात्रा में वित्तमंत्री जेपी दलाल, विधायक किरण चौधरी, विधायक घनश्याम सर्राफ, आप नेत्री इंदु शर्मा, रोहतक से पधारे चरणजीत सिंह खट्टर व अनिल शर्मा ने भगवान जगन्नाथ के रथ को रसों को खींचते हुए शहर के प्रमुख बाजारों से लोगों को भगवान जगगनाथ के दर्शन करवाएं।

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा समिति के अध्यक्ष राजेश अत्री ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र पहनाकर व प्रसाद देकर स्वागत किया। इस अवसर पर संत घनश्यामदास ने भगवान जगन्नाथ का पूजन किया व रथ पर विराजमान किया। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने शहर की सफाई व्यवस्था करवाकर भगवान के रथयात्रा में अपना योगदान किया।

रथयात्रा के संचालन में स्वास्थ्य विभाग की टीम सीएमओ रघुवीर ने पूरा सहयोग दिया पुलिस विभाग द्वारा भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में पूरी मुस्तैदी से अपने संरक्षण में रथ यात्रा को चलाया। बिजली निगम के अधिकारियों ने भी रथयात्रा मार्ग में पढ़ने वाले बिजली के तारों को दुरुस्त करवाकर कर्मचारियों की नियुक्ति कर रथयात्रा के संचालन में पूर्ण सहयोग किया।

ये रहे मौजूद

रथयात्रा में आनंद गार्ग, कृष्णा धोना, देवकांत शर्मा, विकास, अनिल गौड़, रमेश शर्मा, बलवीर सिंह, सुनील बॉक्सर, गोपाल सांवरिया, नरेंद्र नंदिया, प्रवीण मोड, हेमंत शर्मा, मनोज शर्मा, नरेश कौशिक, ओपी नंदवानी, सुनील दत्त, रामस्वरूप, अरविंद मित्तल आदि मौजूद थे।

परमसंत कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

सत्संग के नाम पर आज कलयुग में नाम की चर्चा कम एवं नौटंकीबाजी ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सत्संग का मायना सत्य का संग है, सत्य केवल परमात्मा है, इसलिए सत्संग परमात्मा का संग है। परमात्मा का संग तभी संभव है, जब हम उसे हर पल अंगीकार कर लेते हैं। हर सांस में जब परमात्मा का जिक्र होगा तब सत्संग होगा। ये सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने दिनोद गांव स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए।

हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि सत्संग के नाम पर आज कलयुग में नाम की चर्चा कम एवं नौटंकीबाजी ज्यादा हो गई है। आज न संत सच्चे और न भक्त, भक्ति तो तन मन धन की बाजी है, ये बाजी कोई बिरला साधक ही लगा पाता है। उन्होंने कहा कि तन से सेवा, मन से सुमिरन और धन भक्ति का, ऐसी बिरलीबाजी वहीं लगा सकता है जो हृदय पर चोट लगवाता है। ये चोट किसी बरछी या ग्यासी से नहीं लगती, न ये किसी तीर कमान से लगती है, ये चोट तो सतगुरु के ज्ञान बाण से लगती है। हुजूर महाराज ने आज के दिन को स्मरण करते हुए कहा कि मेरे गुरुकुल मालिक ताराचंद महाराज ने 46 साल पहले सात जुलाई को ये बाण मारा था, जिसने मेरे ज्ञान चक्षु खोल दिये थे। उलेखनीय है कि सात जुलाई का दिन राधा स्वामी सत्संग दिनोद की संगत के लिए पवित्र दिन है, क्योंकि सात जुलाई सतहत्तर को हुजूर महाराज गुरु की शरण में आये थे। उन्होंने सेवा एवं समर्पण की एक मिसाल कायम की। गुरु महाराज ने कहा कि मान बड़ाई अभिमान को तजे बिना आप सेवक नहीं बन सकते और जो सेवक नहीं वो गुरु नहीं बन सकता।

- तन से सेवा, मन से सुमिरन और धन भक्ति का, ऐसी बिरलीबाजी वहीं लगा सकता है जो हृदय पर चोट लगवाता है

- तन से सेवा, मन से सुमिरन और धन भक्ति का, ऐसी बिरलीबाजी वहीं लगा सकता है जो हृदय पर चोट लगवाता है

भक्ति की पहली सीढ़ी सद्चरित्र

परमसंत ने कहा कि भक्ति की पहली सीढ़ी सदचरित्र है। तप, संयम, सेवा, दीनता अगली सीढ़ियां हैं, जो अवसर मिला है उसे मत गंवाओ। इसे दूसरे की बुराइयों को देखने में मत जाया करो। इस बुराइयों से आपको घुन्न लग जायेगा जो आपको थोथा कर देगा। उन्होंने कहा कि कद्र इंसान की देह की नहीं, बल्कि उसके गुणों की है। इंसान का पहला गुण माता पिता सास ससुर की सेवा है। दूसरा गुण ग्रहस्थ धर्म की पालना है, जिस घर में प्यार, प्रेम और शांति है भक्ति भी वहीं हैं। कंवर साहेब ने कहा कि सत को निकलने न दो, क्योंकि जब सत निकल जाता है तो कुछ बाकी नहीं बचता, सत्य सतगुरु है, नूरी सतगुरु के दर्शन देह के सतगुरु के माध्यम से ही होंगे। नूर का दर्शन तन मन धन की बाजी लगाने से होता है। हुजूर ने कहा कि संतमत गुरु वचन पर टिके रहने का मत है। गुरु का वचन हर लिहाज से कल्याणकारी है।

फ्रीडा खामोश रहने लगी थी

1954 आते-आते फ्रीडा खामोश रहने लगी। उसके फेफड़ों की नलियां खराब हो चुकी थीं। एक दिन सुबह के छह बजे जब नर्स उसके कमरे में आई तो उसने देखा फ्रीडा की आंखें खुली हुई हैं। मौत से पहले उसने अपनी डायरी में अंतिम बार लिखा-मुझे आशा है कि मेरा अंत सुखद होगा और मैं लौटकर वापस कभी नहीं आऊंगी। 14 जुलाई को छह सौ से अधिक लोगों ने उसे अंतिम विदाई दी। उसे ऑटोमैटिक कॉर्ट पर रखा गया। अवन के दरवाजे खुले और फ्रीडा की मृत देह आग की तरफ गई। उसके बाल जलने लगे, लेकिन लोगों ने देखा उसका चेहरा सूरजमुखी के फूल की मानिंद खिल गया था जिस पर मुस्कुराहट थी।

जयंती विशेष | **गीता यादव**

उजालों में छुपी लड़की फलक का रंग-रोशन कर गई.....

फ्रीडा का समूचा जीवन एक फंतासी की मानिंद रहा। अपने छोटे से जीवनकाल में उसने नाउम्मीदी, उदासी, तन्हाई और बेवफाई जैसे कई बदरंग मंजर देखे। लेकिन बावजूद इसके उसने आशा और उम्मीद का दामन कभी नहीं छोड़ा। अंतिम सांस तक वह हंसती-खिलखिलाती रही और जिंदादिली के साथ दुनिया को अलविदा कहा।

छह जुलाई, 1907। मैक्सिको का उपनगर कोयोअकैन। बारिश की बूंदों से नहाई एक सुबह। फ्रीडा काहलो बारिश की बूंदों पर नन्हे-नन्हे पैर धरते हुए इस दुनिया में आईं थीं। बारिश की वे बूंदें, जैसे दुख बनकर उसके जीवन में सदा के लिए ठहर गईं। जो आंसुओं की शक्ल में उनकी आंखों से यदा-कदा बाहर आती रहीं। मिसेज मटिल्डा काल्डेरोन और मिस्टर गिलर्मो काहलो की तीसरी बेटी माग्दालेना कारमेन फ्रियदा (फ्रीडा) की पैदाइश के बाद से ही मां की सेहत गिरने लगी। नर्स की छाती से लगकर फ्रीडा ने मातृ सुख का अनुभव किया। फ्रीडा के जन्म के तीन साल बाद मैक्सिकन क्रांति की शुरुआत हुई, जिसका असर जल्द ही पूरे मैक्सिको में नजर आने लगा। गोरिल्ला आर्मी का आतंक बढ़ गया था। इसी आतंक के साए में फ्रीडा स्कूल जाने लगी। मैक्सिको सिटी के जर्मन प्राथमिक स्कूल में वह अपनी बहन के साथ जाती। बड़ी शरारती थी वह, लेकिन पढ़ाई में अव्वल। छह वर्ष की मासूम फ्रीडा एकाएक पोलियो की गिरफ्त में आ गई। उसका दायां पैर पतला हो गया। अपने पैरों को छुपाने के लिए उसने ऊंची एड़ी के जूते और लंबी रंगीन स्कर्ट पहननी शुरू कर दी। बच्चे उसे टूटी टांग वाली फ्रीडा कहकर उसका मजाक उड़ाते। धीरे-धीरे वह एकांतप्रिय होने लगी। घर में पाले गए जानवर उसके दिल के बेहद करीब होते गए। फिजूल की बातों से उसका ध्यान हटाने के लिए पिता ने उसे उसे चित्र बनाना सिखाया। समय बीतता रहा। फ्रीडा डॉक्टर बनना चाहती थी, इसलिए उसका दाखिला नेशनल प्रोप्रेटरी स्कूल में कराया गया। यह मैक्सिको का नामी-गिरामी स्कूल था। वहां उसकी मुलाकात एलेजेंड्रों गोमेज से हुई। जल्दी ही उनकी दोस्ती प्यार में तब्दील हो गई। 17 सितम्बर, 1925 को गोमेज के साथ घर लौटते समय उसकी बस एक ट्रॉली से टकरा गई। एक लोहे का सरिया उसके शरीर के अंदरूनी हिस्से को भेदता हुआ बाहर निकल गया। डॉक्टरों ने आशंका जताई की शायद वह मातृत्व सुख से वंचित रह जाएगी। कुछ समय अस्पताल में रहने के बाद वह घर वापस आ गई। पूरा जिस्म प्लास्टर से ढका था। ऐसे में गोमेज ने भी उसका साथ छोड़ दिया। फ्रीडा टूट गई थी। एक दिन पिता ने उसे ज़िंदगी का सबसे यादगार तोहफा दिया। कुछ ऑयल कलर्स, ब्रश और कैनवास देकर रंगों की दुनिया से उसका परिचय कराया। मां ने बढ़ई बुलाकर उसके पलंग को कुछ ऐसे तैयार कराया, ताकि वह लेटे-लेटे भी पेंटिंग कर सके। साथ ही पलंग के बीचों-बीच एक आईना भी लगाया, जिसमें वह अपनी छवि देखकर खुद से प्रेरणा ले सके। यहीं से फ्रीडा का आत्मचित्र बनाने का सफर शुरू हुआ।

पोलियो की गिरफ्त में

छह वर्ष की मासूम फ्रीडा एकाएक पोलियो की गिरफ्त में आ गई

मजाक

बच्चे फ्रीडा का खूब मजाक उड़ाते थे और अकेले में अपनी बेबसी पर वह रोती थी

अंतिम बार लिखा

मौत से पहले उसने अपनी डायरी में अंतिम बार लिखा-मुझे आशा है कि मेरा अंत सुखद होगा और मैं लौटकर कभी नहीं आऊंगी

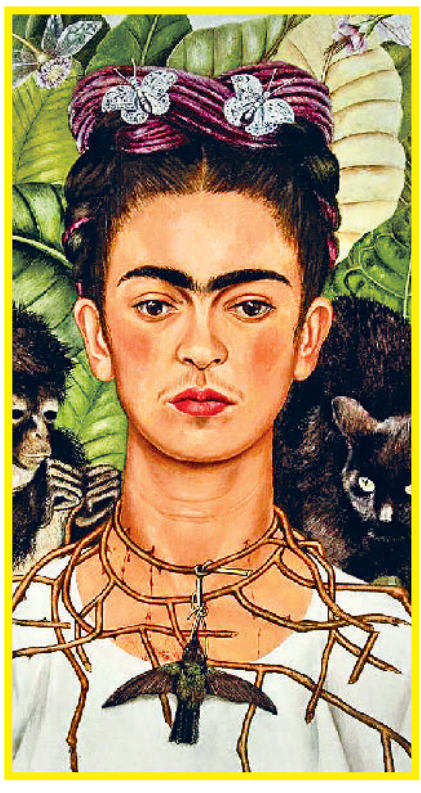

फ्रीडा की कविता

मेरा प्यार

मैं अपनी जिंदगी में तुम्हारी मौजूदगी कभी नहीं भूलूंगी
क्योंकि तुमने मुझे तब संभाला, जब मैं तबाह हो चुकी थी
तुमने मुझे फिर से संपूर्ण बनाया
नहीं तो, मैं इस छोटी-सी धरती पर इतनी शान-ओ-शौकत से
अपने आपको कहां खड़ा कर पाती
अब समय नहीं है और दूर कुछ भी नहीं है
सिर्फ सच्चाई है, जो हमेशा से थी
अब जो नजर आता है, वह है जड़ें
जो बिल्कुल साफ नजर आती हैं
वो जड़ें हैं उस पेड़ की,
जो अब बड़ा हो चुका है और फल देने लगा है
तुम्हारे फल खुशबू देते हैं,
तुम्हारे फल रंग देते हैं जो कि खुशी से उग रहे हैं
और वो खुशी है हवा की और खिलने की
तुम उस पेड़ से अपनी दया दृष्टि कभी मत हटाना
जिसके लिए तुम एक सूरज समान हो
वो पेड़, जिसने तुम्हारे बीज को संजोकर रखा है
और मेरे प्यार का नाम है दिएगो।

1926 में पहला आत्मचित्र बनाया

फ्रीडा के बनाए आत्मचित्र कला-जगत के श्रेष्ठतम आत्मचित्रों में से एक हैं। 1926 में उसने पहला आत्मचित्र बनाया। उसने अपने चित्रों में चमकीले रंगों और मैक्सिकन लोक कला को भी प्रमुखता से उभारा। उसके चित्रों में मिट्टी की तरह घुलकर भाव की बाढ़ के साथ एकात्म हो जाने की अद्भुत क्षमता थी। उस समय जब फ्रीडा के चारों ओर नाउम्मीदी, उदासी और तन्हाई पसरी हुई थी और खुशी-चहक की लौ धुंधलाती जा रही थी, तब रंगों ने उसे आसरा दिया। धीरे-धीरे वह स्वस्थ होने लगी। उसने नेशनल प्रोपेटरी स्कूल में चित्रकारी औरक्ले-मॉडलिंग कोर्स में दाखिला लिया। फोटोग्राफर टीना मोदोत्री के जरिये वह यंग कम्युनिस्ट लीग से जुड़ी। एक दिन पार्टी के दौरान उसकी मुलाकात विश्व के मशहूर म्यूरल कलाकार दिएगो रिवेरा से हुई। दिएगो ने उसे मैक्सिको की सबसे पुरानी और मशहूर कला पर काम करने के लिए प्रेरित किया। जल्द ही यह मुलाकात दोस्ती से प्यार और फिर शादी तक पहुंच गई। 21 अगस्त, 1929 को दोनों का विवाह हो गया। दिएगो के साथ वह कुर्नेवाका आ गई और वहां उसने कुछ चित्र बनाए। 1930 में साल की शुरुआत में वह दिएगो के साथ सैन फ्रांसिस्को गई। वहां फ्रीडा ने ' फ्रीडा एंड दिएगो रिवेरा डबल पोट्रेट बनाया। पहली बार लोगों ने उसकी इस पेंटिंग को सैन फ्रांसिस्को सोसायटी ऑफ वीमेन आर्ट की छठी वार्षिक प्रदर्शनी में देखा और काम की सराहना की। इस बीच कई बार उसका गर्भपात हुआ, जिससे वह टूट गई। उसने संतान न होने के दुख को अपने चित्रों में उतारा। इस बीच वह दिएगो के साथ फिलाडेल्फिया और डेट्रॉयट गई, लेकिन उसे मैक्सिको के अलावा कोई जगह रास न आई। दोनों के बीच झगड़े बढ़ने लगे। 1939 में दोनों तलाक लेकर अलग-अलग रहने लगे। एक बार फिर फ्रीडा को सैन फ्रांसिस्को गोल्डन गेट अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के ललित कला पैलेस में अपनी पेंटिंग समकालीन मैक्सिकन कला को दर्शाने का अवसर मिला। । उसके चित्रों में स्त्री के अस्तित्व और अंतर्मन की दुनिया उभर रही थी। इन चित्रों में उसकी एकाग्रता, गहराई और दर्द की अभिव्यक्ति चकित कर देने वाली थी।

और एक बार फिर वक्त बदला

वक्त बदला और एक बार फिर दिएगो ने उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा। फ्रीडा और दिएगो 8 दिसम्बर, 1940 को फिर विवाह के बंधन में बंध गए। फ्रीडा की शोहरत दूर-दूर तक फैल चुकी थी। वह उन 25 बुद्धिजीवी कलाकारों में से एक थी, जिन्हें शिक्षा मंत्रालय द्वारा मैक्सिकन संस्कृति की संगोष्ठी के लिए चुना गया था। 1940 में मैक्सिको सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अति चर्चित चित्र प्रदर्शनी के लिए मशहूर चित्रकारों के साथ उसके चित्रों को रखा गया।

पुरस्कारों, समितियों की सदस्यता व फेलोशिप की बाढ़ सी आ गई थी। बड़ी-बड़ी चित्र प्रदर्शनियों में उसके चित्रों की मांग होने लगी। उसे आर्ट्स एंड साइंस के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। 1950 को फ्रीडा की रीढ़ की हड्डी में तकलीफ के कारण लंबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ा। यहां वह दिएगो और बहन क्रिस्टीना के साथ खूब मस्ती करती। फिल्में देखती, चुटकुले सुनाती। कविताएं व डायरी लिखती। फ्रीडा के प्रशंसक लोला अल्वारेज ब्रावो ने उसके जीते जी एक बड़ी प्रदर्शनी लगाने का निश्चय किया। उस प्रदर्शनी को देखने सारा शहर उमड़ पड़ा था। फ्रीडा को एंबुलेंस में लाया गया।

यादों की रहगुजर

- पूरे जीवन में फ्रीडा के तीस छोटे-बड़े ऑपरेशन हुए, लेकिन उसने जीने का हौसला कभी नहीं छोड़ा। फ्रीडा ने 200 पेंटिंग्स, ड्रॉइंग और स्कैच बनाए। इन में 143 पेंटिंग्स और 55 आत्मचित्र हैं।
- अस्पताल में डॉक्टरों की सख्त मनाही के बाद भी पेंटिंग बनाना जारी रखा। उसने रंगों की बजाय लिपस्टिक और आयोडीन का सहारा लिया।
- फ्रीडा ने पशु-पक्षियों के मूक संसार को अपने अपने कैनवास पर बड़ी ही खूबसूरती से जीवंत किया।
- फ्रीडा ने दोस्त से उपहार में मिली लाल डायरी को अपने सुख-दुख का साथी बनाया। इस डायरी पर जे.के. लिखा था।
- फ्रीडा के मृत शरीर को अवन में रखा गया तो उसके बाल जल रहे थे, लेकिन उसका चेहरा सूरजमुखी के फूल की मानिंद खिला हुआ था।

रागनी | **डॉ. शील कुमार 'गंगा पुत्र'**

पर्यावरण प्रदूषण

प्रदूषण नै सारे देश का, कर दिया भुण्डा हाल।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ, जै होणा सै खुशहाल ।।

छोट्टे-बड्डे सब शहरां मैं,कारखान्यां की लाग्यी लैन।
इनमें माणस पैसण लाग रे,फेर भी मन मैं कोन्या चैन ।
पशु-पक्षी भी मरते गैल,बैच्छगे सारै जाल।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

स्याही तै भी काल्आ धुमा,छोड़ैं सैं ये मोटर कार।
शोर-शराबा खूब करैं सैं,कारखाने और मोटर कार ।
जंगल कटगे ना बसाती पार, जीणा होया बेहाल।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

वायु मंडल होया प्रदूषित, जल भी कोन्या साफ रह्या।
खाण पीण की सब चीजआं मैं,देखो कितना जहर होया।
धरती मां पर बोझ होया, इब्ब करणा होगा ध्यान।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

इन्ह शहरां तैं दूर ले चालो, मैं गाम देखणा चाहूं सूं ।
नदी,जलाशय और झरण्यां की, जलधार देखना चाहूं सूं ।
मैं शील नै समझाऊं सूं ,पर्यावरण का करल्यो ध्यान।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

प्रदूषण नै सारे देश का, कर दिया भुण्डा हाल।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ, जै होणा सै खुशहाल।।

रागनी | **सत्यवीर नाहड़िया**

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी,
हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगरदे नै,ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत कदे थी,आ[illegible] फुटकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसी छंद म्हं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

बातचीत | **प्रोसेसिंग तकनीकी से ताजा फल विपणन, सूखाकर खेलड़ा बनाना, बीज, जैम व कैच-अप जैसे घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देंगे चचेरे किसान भाई**

ऑर्गेनिक फ्रूट ककड़ी व मतीरी से लाखों का मुनाफा कमाया

किसान | **दलबीर सिंह भूना**

लागत

कम लागत में प्राकृतिक फूट की खेती से मालामाल

बचाव

कीड़ों से बचाने के लिए नीम की फली से तेल बनाते हैं

उत्पाद

ककड़ी के गूदे से कैच-अप, जैम कर सकते हैं तैयार

जांडलीखुर्द गांव के दो किसानों ने मिलकर तीन साल पहले पांच एकड़ रेतीली बैरानी खेत में ऑर्गेनिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की खेती शुरू की थी, जिन्होंने कम लागत में प्राकृतिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की हजारों क्विंटल फसल बेचकर मालामाल हो गए हैं। वजीर सिंह पूनिया व नवीन पूनिया ने बताया कि चार वर्ष पहले पानी के अभाव में परंपरागत खेती पर्याप्त नहीं हो पाती थी। अब ऑर्गेनिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की खेती से प्रति एकड़ 70 हजार से लेकर एक लाख के बीच में बचत हो रही है। क्योंकि बिजाई के बाद खर्चा नहीं है और ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती।

ऐसे करते हैं रोगों का बचाव

किसान वजीर सिंह पूनिया ने बताया कि फूट ककड़ी को जंगली छिपकली, गिलहरी व पक्षियों तथा नील गायों से नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। ऐसे में ज़रूरी है कि बुआई के बाद और फल आने के समय फसल की रखवाली करें। पौधों में लाल व ऐपीलेकना भंग, सफेद व फल मक्खी और रस चूसने वाले कीटों के प्रकोप की आशंका बनी रहती है। इनसे बचाव के लिए खेत से ऑर्गेनिक सब्जियों की खेती शुरू की थी। फसल को कीड़ों से बचाने के लिए नीम की फली से तेल बनाकर उसका उपयोग में लिया और बाद में गोमूत्र में पानी मिलाकर उसका छिड़काव से किया। नीम पत्ती चूर्ण को 10 किलोग्राम राख के मिश्रण को टाट की थैली में भरकर सुबह के समय पौधों पर भुरकाव करें। इस खेती में खाद के रूप में गोबर की सड़ी हुई खाद और फसल के सड़े हुए अवशेष डालकर काम लिया गया। दोनों किसानों ने फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की ऑर्गेनिक खेती में शामिल कर लिया है।

कई उत्पाद हो सकते तैयार

वजीर सिंह ने बताया कि फूट ककड़ी के पके फलों को ज्यादा दिनों तक ताजा सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। इसलिए तुड़ाई के बाद लंबे समय तक उपयोग में लाने के लिए इनकी प्रोसेसिंग किसान कर सकते हैं। फूट ककड़ी के फलों के गूदे से कैच-अप, जैम एवं निर्जलीकरण (सुखाना) से खेलड़ा तथा बीजों से गिरी तैयार की जा सकती है। इस तरह से घरेलू स्तर पर मूल्य संवर्धन से स्वरोजगार और लाभ प्राप्त किया जा सकता है। फूट ककड़ी उत्पादन और प्रोसेसिंग से ताजा फल विपणन, खेलड़ा बनाना, बीज, जैम व कैच-अप से लाखों की आय प्राप्त की जा सकती है।

विशेषज्ञ की राय

फूट ककड़ी गर्म और शुष्क मौसम की फसल है, इसलिए रेतीले बैरानी जमीन का वातावरण इसकी खेती के लिए उपयुक्त है। यह फसल 35-40 डिग्री तापमान में भी उग जाती है। बीजों के अंकुरण के लिए 20-22 डिग्री सेल्सियस और पौधों व फलों के विकास के लिए 32-38 डिग्री तापमान की ज़रूरत होती है। इसकी खेती के लिए रेतीली व बलुई-दोमट मिट्टी उपयुक्त हैं। 6.5-8.5 तक पी.एच. मान वाली कम उपचाऊ मिट्टी में भी फूट ककड़ी की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

-डॉक्टर श्रवण कुमार
जिला बागवानी अधिकारी, फतेहाबाद

देहात से कम होता जा रहा है देसी लोक पेयों का चलन

◆ स्वास्थ्यवर्धक पेय छाछ या लस्सी विलुप्ति की ओर ◆ बोतलबंद पेय पदार्थों ने देसी पेयों को गुमशुदगी के दौर में पहुंचाया ◆ छाछ को बिना पैसे की दवाई कहा जाता

रहन सहन | **डॉ दयानंद कादयान**

आज भौतिकता और बाजारवाद में हरियाणा के देहात से प्राकृतिक खेती और सेहतमंद भोजन को कम किया है। आधुनिकता व रेडिमेड संस्कृति ने गांव देहात के देसी पेयों छाछ, दही, शिकंजी व राबड़ी से भी आम जनमानस को दूर कर दिया है। आधुनिक बोतलबंद पेय पदार्थों के हमले ने देसी पेयों को गुमशुदगी के दौर में पहुंचा दिया है। देहात में सर्वसुलभ और स्वास्थ्यवर्धक पेय छाछ या लस्सी या सीत भी अब विलुप्ति की ओर जा रहा है। अब उनके स्थान पर कोका-कोला, ड्यू व कैंपा आदि ने ले लिया है, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। रेडिमेड पेयों ने सीत, रबड़ी सत्तू व शिकंजी को गौण स्थानों पर पंहुचा दिया है।
बेशक ये देसी पर पदार्थ गौण अवस्था में पहुंच गए हों। पुरातन काल से हरियाणा के गांव देहात में परंपरागत पेय पीने की रिवाज रही है। हमारे बड़े-बड़ेरे जानते थे कि गर्मियों में हमारे शरीर को ठंडाई की बड़ी जरूरत रहती है, क्योंकि ज्येष्ठ, आषाढ़ की गर्मी से निकलने वाले पसीने से मनुष्य का शारीरिक, मानसिक संतुलन गड़बड़ा जाता है। पसीने के माध्यम से शरीर से लवण और विटामिन निकलते रहते हैं। शरीर में जलापूर्ति के लिए अच्छे पेय पदार्थों की जरूरत पड़ती रहती है। पारंपरिक पेय शरीर में शारीरिक, मानसिक तृप्ति भी करते हैं। वहीं गर्मी के प्रकोप से होने वाले रोगों से हमारे शरीर को बचाए रखते हैं। हरियाणा प्रदेश के घर-घर में गाय भैंस आदि दुधारू पशु बहुतायत में पाए जाते थे। हमारे खेती-बाड़ी

का आधार पशुपालन रहा है। इन दुधारू पशुओं के दूध से छाछ व दही आदि तैयार किए जाते थे। छाछ व दही के लिए कलेवारी सी दूध को कढावणी में डालकर हारे में गर्म होने के लिए रखा जाता था। शाम को दूध की मलाई में गाढ़ा कढ़ा दूध बिलौनी में डाला जाता था। इसके बाद शाम को दूध भी कढावणी में मिलाकर के उसमें जामन मिलाया जाता था। जामन में लैक्टोबैसिलस जीवाणु होते थे जो दूध को दही या छाछ में बदल देते है। ये सारी की सारी किण्वन क्रिया विज्ञान पर आधारित होती थी। तैयार दूध को घर की बूढ़ी बड़ेरी बड़े जतन से रई डालकर मुंह अंधेरे मथती या बिलौती थी। गांव देहात में सुरमय स्वर लहरी गूंज उठती थी। इसके साथ-साथ लोक लकड़ी भी गाई जाती थीः-*गजर-मजर दूध बिलोवै,*
गुजरी का बच्चा रोवै। रौवै सै तो रोवन दे,
मैंने दूध बिलोवण दे।
विलोए हुए दूध से घी निकाला जाता था,जिसे नूणी घी कहा जाता था। इसके अलावा बिलौनी में जो तरल पदार्थ शेष रह जाता, उसे छाछ या लस्सी या सीत कहा जाता था।ये लस्सी लूओ वाली गर्मी में ठंडक का आनंद देती थी। देहात में एक कहावत भी प्रचलित है कि काणी दादी शीतघालिये, लखण तो ईसा करै सै आक तेरै दूध घाल दूं।फिर भी छाछ हरियाणवी लोकोक्तियों,कहावतों, जकड़ियों में विशेष रूप से गाया जाता है। छाछ के फायदे अनगिनत है।छकछ हमारे देहाती भोजन का मूलाधार है।लस्सी या छाछ देहात में केवल पेय नहीं है, अपितु बहुत सारी सब्जियां चटनी, रायता,कढी व भुजी छाछ के दम पर बनती है। गांव में यह कहावत भी प्रचलित है किॅ पतली सी छाछ, खाटे से भी जाएॅयानी खाटा की तरकारी व राबड़ी लस्सी से ही बनती है।इसके अलावा कोई भी छाछ से ही तैयार होती है।साथ में सभी अमीर गरीब का सांझा होता है। यह एक तरह का सांझला या समाजवादी पेय पदार्थ होता है, जो गांव में एक दूसरे को हर रोज बांटा जाता रहा है। हाली पाली मुंह अंधेरे ही अपने खेतों व जंगल को निकल चुके होते हैं।घर की महिलाएं छाछ रोटी लेकर खेतो में छकियारी बनकर पंहुचती हैं। छाछ राबड़ी और रोटी जंगल में मंगल कर देती हैं। देहात में यह ब्रेकफास्ट नही अपितु इसे काम छोड़ या कल्लेवारी का भोजन कहा जाता था।

देहात में छाछ को बिना पैसे की दवाई कहा जाता है क्योंकि शरीर में प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करके शरीर के स्वाभाविक विकास में सहायता देती है। यही कारण है की देहाती लोग छाछ को अमृततुल्य मान कर भोजन के साथ इसका इस्तेमाल करते हैं। छाछ निःशुल्क खट्टी मीठी औषधि का कार्य भी करती है। देहाती लोगों का मानना है कि छाछ के नियमित सेवन से राहचुंधा रोग नहीं होता। इसमें विटामिन ए की मात्रा पर्याप्त बताई जाती है, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक होती है। छाछ शरीर में बनने वाले यूरिक एसिड का दमन करती है इससे कफ, वात पित्त रोगों का नाश होता है। आज रेडिमेड संस्कृति ने हमारे पुरातन लोकपेयों को पर्दे के पीछे धकेल दिया है तथा आधुनिक बोतल बंद शीतल प्रयोग की बाढ़ आ गई । इन बोतलबंद पेय पदार्थ से की जाती है ,जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। हम आधुनिक पेयों को तो पसंद करते हैं लेकिन दही से बने पेयों की उपेक्षा कर रहे हैं। आओ हम अपने परंपरागत लोक पेयो सीत, रबड़ी, सत्तू व शिकंजी को दोबारा प्रचलन में लाएं ताकि हमारे सेहत ज्यों की त्यों बनी रहे।

छाछ-राबड़ी का चोली दामन का साथ

देहात में छाछ -राबड़ी का चोली दामन का साथ रहा है। वैसे भी इस प्रदेश के देहात में रावड़ी को केवल ग्रीष्म ऋतु का अमृत माना जाता है। देहात में मुख्तया जौ तथा बाजरे के आटे की राबड़ी बनाई जाती है,जिसे गर्मी का अमृत मान जाता है। राबड़ी का सेवन अक्सर प्रातः काल में ही किया जाता है। जौ से बनाई जाने वाले रबड़ी को देहात में ग्हार की रबड़ी का जाता है। जो बाजरे के आटे से बनी राबड़ी से अधिक शीतल और सुपाच्य होती है। प्रात राबड़ी के सेवन से वायु प्रकोप में कमी व संतुष्टि आ जाती है। अधिक अम्ल और पाच्य रसों को अवशोषित करती हुई, इसका आसानी से निष्कासन होता है।

खबर संक्षेप

भिवानी। जनसम्पर्क अभियान के दौरान महिलाओं से मुलाकात करती पूर्व सांसद श्रुति चौधरी।

कांग्रेस ने खैरड़ी मोड़ के पास खींची थी विकास कार्यों की लाइन:श्रुति

भिवानी। पूर्व सांसद श्रुति चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में आमजन की नहीं सुनी जाती। बल्कि प्रदेश में पूरी पार्टी पर एक ही परिवार का कब्जा है। वही परिवार दूसरे नेताओं की नहीं सुनते । अगर जनता की आवाज उठाई जाती है तो उनकी आवाज को दबा दिया जाता है। डेढ दशक पहले इसका खेरड़ी मोड़ पर खींची गई लाइन उदाहरण था। कांग्रेसराज में भिवानी के साथ विकास के मामले में सौतेला व्यवहार हुआ। खैरड़ी मोड़ तक फोरलेन मार्ग , सीमा पार होते ही(खरक) में गड्ढों वाली सिंगल रोड थी। यही हालत महम रोड के थे। कांग्रेस के राज में भिवानी ही नहीं ,प्रदेश के अनेक क्षेत्रों के साथ विकास के मामले में सौतेला व्यवहार हुआ। श्रुति चौधरी रविवार को जनसम्पर्क अभियान के तहत गांव सुंगरपुर, खारियाबास, धारणबास, देवराला, खापड़वास आदि गांवों में जनसम्पर्क अभियान में लोगों से बातचीत कर रही थी।

भिवानी। एकत्रित समर्थकों को संबोधित करते पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला।

'भाजपा और कांग्रेस की सांठगांठ जगजाहिर'

भिवानी। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने खुद के बेटे दीपेंद्र को लोकसभा का चुनाव जितवाने के लिए राज्यसभा की सीट भाजपा को गिफ्ट दे दी थी। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस की सांठगांठ जगजाहिर हो गई है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि विपक्ष का सबसे बड़ा दल कांग्रेस आज राज्यसभा चुनाव का मैदान छोड़कर भाग रहा है, जो कि भूपेंद्र हुड्डा द्वारा रोहतक लोकसभा के बदले भाजपा को राज्यसभा की सीट देने की डील को उजागर करता है। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला रविवार को भिवानी में पत्रकारों से रूबरू थे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि राज्यसभा चुनाव में कोई सामाजिक उम्मीदवार चुनाव लड़े ताकि विपक्ष की एकजुटता से हम अल्पमत में आई भाजपा सरकार को करारा जवाब दे सके।

मेरा भारत हरित भारत अभियान चलाकर करवाया पौधरोपण

बरसात के मौसम में झोझूकलां क्षेत्र में हजारों पौधे लगाने का लक्ष्य : वसुधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के कादमा शाखा के तत्वावधान में गांव रामबास में त्रिवेणी लगाकर सभी को पर्यावरण के प्रति अपना प्रकृति प्रदत कर्तव्य निर्वहन करने का आह्वान क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने किया। उन्होंने आज मेरा भारत हरित भारत अभियान के तहत पौधरोपण करवाया व बताया कि बारिश के मौसम में पूरे झोझू कलां क्षेत्र में हजारों की संख्या में पौधों को रोपित करने का लक्ष्य है।

क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि हम प्रकृति की चिंता नहीं करते, यही वजह है कि प्रकृति ने भी अब हमारी चिता करनी छोड़ दी है। हमने बिना सोचे समझे संसाधनों का दोहन किया है। जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है। जिससे बाढ़, सूखा, सुनामी जैसी आपदाएं आ रही हैं। वर्षों से पर्यावरण को हम इंसानों ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। लेकिन अब इसका खामियाजा

चरखी दादरी। पौधरोपण करती बीके वसुधा व अन्य।

धरती पर रहने वाली हर प्रजाति को भुगतना पड़ेगा। धीरे-धीरे हम सबका अस्तित्व खत्म हो जाएगा। उन्होंने सभी से आहवान किया कि अपने जीवन के मांगलिक अवसरों पर पौधरोपण करे व उनका उचित संरक्षण करें। झोझूकलां प्रभारी ज्योति बहन व सरपंच रामबास सुधीर शर्मा ने कहा कि जरूरत है कि हम सब जाग जाएं और पर्यावरण की रक्षा के लिए मिलकर कदम बढ़ाएं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पोस्ट मास्टर अशोक शर्मा, सुबेदार जयनारायण, मास्टर सुनील कुमार, मास्टर राजेंद्र, संदीप, विकास, विक्रम, राजबाला, सावित्री देवी आदि का सहयोग रहा।

गांव भेरा में डॉ. सुनीता ने रोपित किए 51 पौधे

तोशाम। रविवार को गांव भेरा के 33 केवी सब स्टेशन में प्रसिद्ध समाजसेविका डॉ. सुनीता जनावा ने पौधरोपण अभियान के तहत 51 पौधे लगाए। इस दौरान डॉ. सुनीता ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पौधरोपण अभियान चलाकर लगभग 20 गांवों में 100-100 पौधें लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग प्रभाव को ध्यान में रखते हुए /" हर गांव हरियाली/" अभियान हमारी टीम द्वारा चलाया जाएगा। डॉ. सुनीता समय-समय पर अपनी युवा टीम के साथ अलग-अलग गांव में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, महिलाओं और बेटियों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाकर समाज में जागरूकता लाने के लिए अभियान चलाए हुए हैं। इस मौके पर गांव के सरपंच रूपेश जनावा, मास्टर रुघबीर जनावा, रविकांत जनावा, कृष्ण स्योराण, राजकुमार, राजबीर, छोटूराम, सुमित, संजय, उमेद सहारण, अमीलाल शर्मा, प्रवीण वालिया, सुनील, संजय, हिमांशु, विवेक, सचिन, मोनू, निखिल आदि मौजूद थे।

भिवानी। त्रिवेणी रोपित करते पर्यावरण प्रेमी।

पर्यावरण प्रहरियों ने एक त्रिवेणी सहित 51 पौधे लगाए

■ हवा में घुलते जहर को खत्म करने को अधिक से अधिक पौधरोपण जरूरी : लोकराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

त्रिवेणी बाबा की प्रेरणा से पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा के नेतृत्व में अन्य पर्यावरण प्रेमियों ने रविवार को गांव बिसलवास में एक त्रिवेणी सहित 51 पौधें रोपित किए। इस दौरान पर्यावरण प्रेमियों ने संकल्प लिया कि रोपित पौधें के संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाएंगे, ताकि पौधों को वृक्ष बनाया जा सकें। इस मौके पर पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा ने कहा गांव में एक त्रिवेणी सहित 51 पौधें रोपित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढाया हैं।

नेहरा ने बताया कि पर्यावरण संतुलन बिगड़ने के कारण हवा में निरंतर जहर घुलता जा रहा है, जिसके चलते अनेक बीमारियां जन्म ले रही है, ऐसे में प्रत्येक जन का कर्तव्य बनता है कि वह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए। नेहरा ने कहा कि पर्यावरण को संतुलित बनाने के लिए पौधरोपण के साथ रोपित किए गए पौधों की जिम्मेदारी भी उठानी होगी। उन्होंने युवावर्ग से अपील की कि सभी पौधरोपण के लिए आगे आएं।

जेल अधीक्षक ने जन्मदिन पर लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

जेल अधीक्षक सुनील सांगवान ने रविवार को अपने 50वें जन्मदिन पर परिजनों के साथ पौधरोपण कर हरियाली को बढ़ावा व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उनके पिता पूर्वमंत्री सतपाल सांगवान मौजूद रहे। सुनील ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्मदिन पर पार्टी के नाम पर फिजूलखर्ची करता है, लेकिन कुछ ही दिनों में इसे भूल जाते हैं, यदि हम अपने जन्मदिन पर पौधरोपण करेंगे तो युवाओं को पर्यावरण

संरक्षण का संदेश मिलेगा। सांगवान ने कहा कि लगातार तापमान बढ़ता जा रहा है। जिसका एक बड़ा कारण अंधाधुंध पेड़ों की कटाई भी है। अपने स्वार्थ के लिए हम हरे पेड़ों की कटाई कर देते हैं, जो प्रकृति के साथ सीधी छेड़छाड़ है और पर्यावरण संतुलन बिगड़ता है। उन्होंने कहा कि अपने जन्मदिन के अलावा अन्य मांगलिक कार्यक्रमों भी पौधरोपण करना चाहिए और पेड़ बनने तक देखभाल भी जरूर करें। पौधा रोपण से एक अलौकिक आनंद की अनुभूति भी होगी, साथ में हमारा प्रत्येक जन्म दिन पौधे के रूप में जीवनभर तक यादगार बना रहेगा। सांगवान ने कहा कि पौधरोपण परिसर की हरियाली में सुधार लाने और वन्यजीव संरक्षण में मदद करने के उद्देश्य से किया है। जन्मदिन पर उनकी तरफ से 100 से अधिक पेड़ लगाए जाएंगे।

दादा उदलदेव सेवा समिति ने लगाए पौधे

■ बढ़ते पर्यावण प्रदूषण के लिए प्रत्येक व्यक्ति जिम्मेदार : डॉ. योगेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पृथ्वी के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। ये बात दादा उदलदेव सेवा समिति के प्रधान डॉ. योगेश ने रविवार को गांव

टिटाणी के खेल ग्राऊंड में पौधें रोपित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने 101 पौधें रोपित किए। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व के सामने जलवायु परिवर्तन, प्रकृति और जैव विविधता की समस्या है, जिसका मुख्य कारण प्रदूषण एवं कचरा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे पृथ्वी को बचाने के लिए आगे आते हुए पौधरोपण मुहिम में युद्धस्तर पर जुटे, ताकि हम आने वाली पीढ़ियों को जहरीली हवा व बीमारियों से बचा पाएं। इस मौके पर पूर्व सरपंच बलजीत, पूर्व सरपंच राजेश, राजेश, अरविंद, अक्षय पहलवान, रमेश पहलवान, सुनीत मास्टर, सुनील बुगालिया, दीपक बुगालिया, सतबीर सत्तू, रविन रापड़िया, सतीश सतला मौजूद रहे।

लड़नी होगी हलके के स्वाभिमान की लड़ाई

■ जनता का हिमायती लगाएगा मिलीभगत की राजनीति पर पूर्णविराम : कमल सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

हलके के दो बड़े राजनेताओं की मिलीभगत का साक्ष्य पिछले लोकसभा चुनाव में मिल गया था और अब तोशाम की जनता का दुःख दर्द समझने वाला, उनके बीच रहने वाला कोई हिमायती ही इस मिलीभगत की राजनीति पर पूर्णविराम लगा सकता है और वह उम्मीदवार हलके के 106 गांवों से कोई भी ईमानदार सामाजिक कार्यकर्ता हो सकता है। ये बात

जनसभा को संबोधित करते कांग्रेस नेता कमल सिंह प्रधान।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने तोशाम हलके के दौरे के दौरान आमजन को संबोधित करते हुए कही। कमल सिंह प्रधान ने कहा कि हर चुनाव में ऐसा ही होता आया है कि विस चुनाव में एक नेता दूसरी पार्टी के नेता की मदद लेता आया है और लोकसभा चुनाव में दूसरी पार्टी का नेता अपना उल्लू सीधा करने के लिए उस नेता की सहायता मांगता है, लेकिन इस बार इस मिलीभगत की राजनीति को खत्म करने का समय आ गया है, क्योंकि लड़ाई अब तोशाम हल्के के स्वाभिमान की है। एक नेता ने पिछले 20 साल से सत्तासीन रहते हुए हर बार हलके की जनता के स्वाभिमान से समझौता किया है, जिससे तोशाम की जनता में भारी आक्रोश है। तोशाम हलके के दौरे के पांचवे दिन कमल सिंह ने राजपुरा खरकड़ी, बापोड़ा, बीरन, दांग खुर्द, दांगकलां, सांगवान, भुरटाना, अलखपुरा, किरावड़, छान्ना, खरकड़ी सोहान, धारण, ढाणी रिवासा, रिवासा, ढाणी बीरन व दिनोद समेत लगभग दो दर्जन गांवों का दौरा किया। इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व महासचिव सुभाष यादव, दिनेश शर्मा, वीरेंद्र वाल्मीकि बापोड़ा, राकेश तंवर बापोड़ा, महेंद्र यादव बीरन, गुरपाल बीडीसी, रामनिवास सरपंच आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय संयोजक ने ठोकी बवानीखेड़ा हलके से ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

हरियाणा के भिवानी जिले के बवानी खेड़ा स्थित बाबा कमाल धर्मशाला में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय संयोजक, अनुसूचित जाति एडवोकेट डॉ. दीपेश सारसर ने साथियों संग विचार.विमर्श को लेकर एक मीटिंग का आयोजन किया। जिसमें बवानी खेड़ा हलके से चुनिंदा लोगों को बुलाया गया ओर विधानसभा चुनावों को लेकर नब्ज टटोली।

मीटिंग में सैंकड़ों की संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मीटिंग में समाजसेवी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व चैयरमैन

राजकुमार सारसर भी मौजूद रहे। राजकुमार सारसर ने उपस्थिजनों को बताया कि उन्होंने अपना बेटा हलके की जनता के हवाले किया है अब जनता ने किस मुकाम तक पहुंचाना है, उनसे बेहतर कोई नहीं जानता। एडवोकेट डॉ. दीपेश सारसर ने बताया कि प्रदेश में कांग्रेस का ग्राफ दिन.प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और भाजपा का आगामी चुनावों में सुपड़ा साफ होगा। उन्होंने कहा कि बाबा कमाल झील तीन करोड़ी हो गई,लेकिन पैसा कहा लगा कोई बताने वाला नहीं है। अग्निशमन केन्द्र, हैडग्वार सभागार ऑपनिंग से पहले ही कंडम होने के कमार पर है। सबसे पुरानी बवानी खेड़ा तहसील जहां उपमंडल की घोषणा की गई लेकिन आज तक उसे अमलीजामा नहीं पहनाया । कांग्रेस कार्यताओं की नब्ज टटोलने पर सभी ने एडवोकेट डॉ. दीपेश सारसर के नाम पर मोहर लगाई। उन्होंने भी जल्द ही भिवानी मीटिंग करने पश्चात बड़ी रैली करने के संकेत दिए और बताया कि उन्हें मौका मिला तो वे विकास के मामले में ऊचांइयों तक ले जाएंगे।

सर्व कल्याण मंच ने लगवाया निःशुल्क आंखों-दांतों का शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

हरियाणा के भिवानी जिले के बवानी खेड़ा स्थित डेरा बाबा जरनानाथ में कला साहित्य एवं सामाजिक कार्योंर् को समर्पित संस्था सर्व कल्याण मंच द्वारा आंखों व दांतों की जांच के लिए निःशुल्क कैंप का आयोजन करवाया गया। जिसमें युवा सेवा समिति के सहयोग से इसे कामयाब बनाया गया।

यह शिविर केन्द्रीय मंत्री के निजी सचिव एवं मंच संयोजक नवीन कौशिक के आह्वान पर आयोजित हुआ। जिसमें भिवानी के धीर आंखों के अस्पताल से डॉण्हरिओम निगम,डॉ. मुस्कान, पवन, सुखबीर व त्रिवेणी डेंटल से डॉ. कपिल शर्मा के आदेशानुसार डॉ. अंशुल, डॉ. उमी सलमा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। आंखों की जांच में अधिकतर सफेद,काला मोतिया व दांतों में जबड़ा तबदील, दांतों की सफाई पाइरिया, जड़ों में कमजोरी आदि के मरीज रहे। शिविर में मरीजों की संख्या 300 से अधिक रही। चिकित्सकों ने मरीजों को मुफ्त दवाइयां वितरित की व उपचार के लिए प्रेरित किया। चिकित्सकों ने बताया कि यदि मरीज बीमारी होते ही इसका उपचार समय पर करवाए तो बीमारी पर काबू पाया जा सकता है। सर्व कल्याण मंच के उपाध्यक्ष गजेन्द्र शर्मा, जिला सचिव भारत कौशिक, संदीप, रामफल अग्रवाल, गजानंद कौशिक, पवन कौशिक, दिनेश शर्मा, राकेश राणा ने बताया कि समय समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता है ताकि लोग इसका लाभ ले सकें। बीते माह भी स्वास्थ्य जांच को लेकर शिविर का आयोजन किया गया। जल्द ही आगे भी योजना बनाई जाएगी ताकि जो मरीज खर्च नहीं उठा सकते उन्हें कस्बा में ही निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी जा सकें।

भाजपा को आमजन से कोई लेना-देना नहीं:धीरज सिंह

■ युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज सिंह ने गांव राजगढ़ में ग्रामीणों को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार में हरियाणा प्रदेश संपन्न राज्यों में गिना जाता था, जहां पर विकास, रोजगार सहित जनहित से जुड़े मुद्दों को तवज्जो दी जाती थी तथा सिर्फ आमजन के हित की सोच रखते हुए नीतियां एवं

भिवानी। लोगों को संबोधित करते युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज सिंह।

योजनाएं क्रियान्वित की जाती थी, लेकिन भाजपा शासनकाल में पिछले 10 साल से हरियाणा प्रदेश व प्रदेशवासी विकास की एक ईंट लगते हुए देखने को तरस गए है। भाजपा शासनकाल में सिर्फ पूंजीपतियों के हितों की सोच रखते हुए काम किया जाता है। भाजपा को आमजन से कोई लेना.देना नहीं है। यह बात युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज सिंह ने रविवार को गांव राजगढ़ में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने 8 जुलाई को भिवानी में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व व प्रदेश अध्यक्ष चौ. उदयभान की अध्यक्षता में होने वाले ओम रिजॉर्ट में होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन की भी जानकारी ग्रामीणों को दी। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन आगामी विधानसभा चुनाव से जुड़ी कांग्रेस की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी।

बेटे ने मां का गला रेत कर हत्या की

तोशाम। गुजरात राज्य के भरूच में ट्रांसपोर्ट कारोबारी के बेटे ने सगी मां इन्द्रावती रणसिंह बेडवाल की गला रेतकर हत्या कर दी। मां के चाय बनाने से इंकार करने पर गुस्साए आरोपित कुपुत्र सिद्धांत (27) ने यह कृत्य किया। वारदात शनिवार को हुई। कुपुत्र की करतूत के बारे में पिता ने पुलिस में फरियाद दी। अंकलेश्वर जीआईडीसी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बेडवाल परिवार मूलतः हरियाणा राज्य के भिवानी जिले की तोशाम तहसील के गांव गारनपुरा खुर्द का है, बीते 15 साल से भरूच में ट्रांसपोर्ट कारोबार करता है। अंकलेश्वर जीआईडीसी क्षेत्र स्थित संस्कृति फ्लॉवर अपार्टमेंट में रहने वाले रणसिंह उर्फ रणजीत सिंह बेडवाल रोड कैरियर नाम से ट्रांसपोर्ट का कारोबार करते हैं। संतान में बेटा सिद्धांत व पुत्री मीनू विवाहित है जो ससुराल में रहती है। बेटा 12वीं करने के पश्चात कभी-कभी पिता के ट्रांसपोर्ट ऑफिस में हाथ बंटाता रहा है। मां की हत्या करने के बाद पिता को फोन किया...बोला मां घर पर बुला रहीं है। बहनोई को भी घर पर बुला लिया। पिता-बहनोई के आने पर वह दोनों को बैडरूम में लेकर पहुंचा जहां का भयावह दृश्य देख पिता-बहनोई के पैरों तले से जमीन खिसक गई, इंद्रावती का खून से लथपथ शव पड़ा हुआ था। पता चला कि बेटे ने मां को मार डाला है। पूछने पर वह एक ही रट लगाए हुए था कि- मुझे गुस्सा आ गया था इसलिए मैंने मां को चाकू मार दिया।

कार्यक्रम जनप्रतिनिधि गांवों में लोगों की सहूलियत के अनुसार विकास कार्यों में तेजी लाएं

सार्वजनिक विकास कार्यों के लिए खजाना लबाबल : जेपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

प्रदेश के वित्त मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि प्रदेश सरकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की नीतियों के अनुसार ग्रामीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने सरपंचो व जनप्रतिनिधियों के अधिकारों में वृद्धि करके पंचायती राज संस्थाओं के जन प्रतिनिधियों का मान सम्मान बढ़ाया है।

जनप्रतिनिधि गांवों में लोगों की सहूलियत के अनुसार विकास कार्यों में तेजी लाए जिससे गांवों में सुविधाओ का विस्तार हो सके। उन्होंने कहा कि लोग भाजपा की नीतियों से खुश है और प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। वे रविवार को विनायक रिसोर्ट में लोहारू विधानसभा के बहल, सिवानी व लोहारू खंड के गांवों के सरपंचों द्वारा आयोजित धन्यवाद व सम्मान समारोह में बोल थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में गांव के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों के चक्कर लगाने पड़ते थे।

भाजपा शासन में बिना भेदभाव के सभी गांवों में समान रूप से काम करवाए जा रहे हैं। सरकार के पास विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। लोहारू क्षेत्र में हजारों करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं पर काम चल रहा है।

बहल। लोगों को संबोधित करते वित्त मंत्री जेपी दलाल। फोटो : हरिभूमि

विपक्ष के दुष्प्रचार से बचें

वित्त मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का यह दायित्व है कि वो बिना भेदभाव के गांवों में जरूरत अनुसार काम करवाने की प्रक्रिया को तेज करें। उनके पास जो भी सरपंच सही काम के लिए आएगा वो उसे तुरंत मंजूर करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में किसानों को आर्थिक रूप से संबल किया है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वो विपक्ष द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार से बचें और लोहारू के विकास में सहयोग करें। इससे पहले सरपंचों द्वारा वित्त मंत्री का जोरदार स्वागत किया गया। वित्त मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि वे 36 बिरादरी को साथ लेकर चलते हैं। बिना भेदभाव और बिना राजनीतिक द्वेष के सभी का काम करते हैं। उन्होंने 36 बिरादरी के लोगों का आह्वान किया कि वे मेरे परिवार के सदस्य हैं और मेरे लिए सभी बराबर है।

खबर संक्षेप

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली

भिवानी। रविवार को शहर में निकाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दर्शन करने के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ा रहा। इस दौरान आदर्श ब्राह्मण सभा ने भी भगवान जगन्नाथ यात्रा में पूजा-अर्चना की। सभा के प्रधान अधिवक्ता सुनील शर्मा ने कहा कि भगवान जगन्नाथ सभी का कल्याण करते है। उन्होंने कहा कि सभा के सभी सदस्यों व समाज के कल्याण के लिए उन्होंने पूजा-अर्चना की है। उन्होंने कहा कि छोटी काशी के लोग धर्म कर्म के कार्यो मे विशेष आस्था रखते है। ऐसे में छोटी काशी भिवानी में पिछले कई वर्षो से भगवान जगन्नाथ की यात्रा निकाली जा रही है, जिसके प्रति लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

गरवा के निधन पर शोक जताने पहुंचे चौटाला

भिवानी। जननायक जनता पार्टी के संस्थापक अजय सिंह चौटाला रविवार को जजपा नेता सतवीर गरवा के निधन पर शोक जताने गरवा गांव में पहुंचे। उन्होंने सतवीर सिंह को पार्टी का बहुत ही मेहनती व कर्मठ कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि उनके निधन से पार्टी को गहरी क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि सतवीर जैसे सच्चे साथी का असामयिक निधन उनके लिए पीड़ादायक है। जजपा नेता सतवीर गरवा का 30 जून को निधन हो गया था। रविवार को जजपा संस्थापक अजय चौटाला उनके आवास पर पहुंचे ।

कांग्रेस सम्मेलन होगा ऐतिहासिक : फौगाट

चरखी दादरी। इस समय प्रदेश का कोई भी वर्ग संतुष्ट नहीं है, भाजपा सरकार से हर नागरिक दुःखी है, इसके नेताओं को सिर्फ ब्यानबाजी करनी आती है काम नहीं, ऐसे में अब सभी को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा व कांग्रेस का शासन याद आ रहा है, जिसमें हरियाणा को नंबर वन बनाने के लिए हर स्तर पर काम होता था। ये बात पाना हसान स्थित जाट धर्मशाला में पंचायत के दौरान खाप फौगाट पूर्व प्रधान बलवंत नंबरदार ने कही। पंचायत की अध्यक्षता हसान पाना एवं जाट धर्मशाला प्रधान धर्मबीर फौगाट ने की।

हांसी रोड स्थित होटल में भाजपा की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

प्रदेश में भाजपा का 10 साल का शासन साबित हुआ स्वर्णिम काल : बराला

बराला ने कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियों में जुट जाने का आह्वान किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हांसी रोड स्थित नीजि रेस्तरां में रविवार को भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में बतौर मुख्यतिथि भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शिरकत की तथा मंच संचालन जिला महामंत्री शिवकुमार पाराशर व हर्षवर्धन मान ने किया। बैठक में पहुंचने पर मुख्यतिथि का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। बैठक की शुरूआत मुख्यतिथि बराला ने द्वीप प्रज्वलित करके की। इस मौके पर सांसद बराला ने कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियों में जुट जाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में भाजपा का पिछले 10 वर्षो का शासन स्वर्णिम काल साबित हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा के 10 वर्ष अन्य दलों के कई वर्षो के शासन पर भारी साबित हुए। भाजपा की नीतियों ने कमजोर से कमजोर वर्ग को आगे लाने का काम किया है, ऐसे में कार्यकर्ताओं का दायित्व बनता है कि प्रदेश में तीसरी बार भी भाजपा सरकार बनाने के लिए भाजपा की नीतियों को पूरे जोश एवं उत्साह के साथ जन-जन तक पहुंचाएं, ताकि केंद्र की तरह हरियाणा में भी जीत की हैट्रिक लगाई जा सके।

वित्तमंत्री जेपी दलाल ने कहा कि 10 वर्षो के शासनकाल के दौरान भाजपा सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किए है। किसान, मजदूर, व्यापारी, आमजन, युवा सहित हर वर्ग का ध्यान रखते हुए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की तथा उन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, ये भी समय-समय पर सुनिश्चित किया।

भिवानी। भारत माता व डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित करते सांसद सुभाष बराला, विधायक किरण चौधरी व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

सोशल मीडिया को करें मजबूत

भाजपा नेत्री एवं विधायक किरण चौधरी ने कहा कि मीडिया व सोशल मीडिया का आमजन पर काफी गहरा प्रभाव पड़ता है, ये दोनों ऐसे साधन है, जिसके माध्यम से कम समय में अपनी बात अधिक लोगों तक पहुंचाई जा सकती है, ऐसे में कार्यकर्ता अपनी बात एवं विचारों को मजबूती से आमजन तक पहुंचाने के लिए मीडिया व सोशल मीडिया विंग को मजबूत रखें तथा पार्टी की नीतियों का प्रचार प्रसार करें। राज्यमंत्री बिशंबर वाल्मीकि ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलकर स्थानीय मुद्दों व समस्याओं को जाने तथा भाजपा द्वारा आयोजित समाधान शिविरों के माध्यम से उनका समाधान करवाए, ताकि आमजन को परेशानी न हो।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नंदराम धानिया, विरेंद्र कौशिक, मीना परमार, संदीप श्योराण, हरियणा अनुसूचित जाति आयोग के वाईस चेयरमैन विजेंद्र बडगुज्जर, राजेश धनखड़, सोनू सैनी आदि मौजूद रहे।

कार्यकर्ता एक पेड़ मां के नाम अभियान जारी रखकर करवाएं पौधरोपण: सर्राफ

विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा द्वारा चलाए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भिवानी जिले में भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने हजारों पौधें रोपित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाया हैं। इस अभियान को भाजपा कार्यकर्ता आगे भी जारी रखें तथा पौधरोपण के साथ आमजन को भाजपा की नीतियों एवं योजनाओं से भी अवगत करवाएं, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की पृष्ठभूमि को मजबूत रखा जा सकें। भिवानी प्रभारी रेनु डाबला ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ की मजबूती पर विशेष तौर पर ध्यान दें।

स्नातकोत्तर दाखिलों में टीम समर्पण का मार्गदर्शन. मदद कार्यक्रम 9 से

- चुनिंदा शहर .कस्बों व गांवो में नि :शुल्क काउंसलिंग व बिना प्रोसैसिंग फीस फ ार्म भरवाए जाएंगे: प्रो. राजकुमार शर्म

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

टीम समर्पण हरियाणा भिवानी के जिला संयोजक एवं महाराजा नीमपाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इतिहास विभाग अध्यक्ष प्रो. राजकुमार शर्मा मुढाल के नेतृत्व में जिला समपर्ण टीम द्वारा हरियाणा के कालेजों में एमएए एमकॉम व एमएससी के आगामी सत्र 2024.25 के लिए होने वाले दाखिलों के लिए इन दिनों जारी फार्म भरने की प्रक्रिया में छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए मदद कार्यक्रम जिले भर में 9 जुलाई से आरंभ होगा।

प्रो. राजकुमार ने बताया कि उच्चतर शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसरा 12 जुलाई से आवेदन पंजीकरण आरंभ होगा जोकि 25 जुलाई तक चलेगा। इसी के साथ.साथ विद्यार्थियों द्वारा ओटीपी आधारित फार्म एडिटिंग की जा सकेगी। 15 जुलाई से 27 जुलाई तक दस्तावेजों व पात्रता की आनलाईन जांच की जाएगी तथा 30 जुलाई को पहली दाखिला लिस्ट जारी होगी। प्रथम लिस्ट में आए विद्यार्थियों की 30 जुलाई से 2 अगस्त तक काऊंसलिंग व फीस जमा होगी।

दूसरे राउंड में पहली लिस्ट के शेष अभ्यार्थियों की फिजिकल काउंसलिंग 5 अगस्त को होगी। 6 अगस्त को पंजीकरण हेतु ऑनलाइन पोर्टल दौबारा खुलेगा। प्रथम लिस्ट के बचे हुए फिजिकल काउंसिगल में शामिल विद्यार्थी और नए पंजीकृत विद्यार्थियों का दाखिला 100 रूपये लेट फीस के साथ 7 से 13 अगस्त तक होगा। उससे यदि सीटें शेष रह जाती हैं तो फिजिकल काउंसलिंग की निरंत्रता में 14 अगस्त से 23 अगस्त तक 100 रूपये लेट फीस तथा प्रतिदिन के हिसाब से 100 रूपये अतिरिक्त चार्ज के साथ दाखिले होंगे। उन्होंने बताया कि वैश्य कॉलेज भिवानी में हिन्दी एडिड कोर्स में तथा इतिहासए फिजिक्स कमेस्ट्री मैथ एमकॉम कम्प्यूटर साइंस की सभी सीटें सेल्फ फाइनेंस स्कीम में उपलब्ध हैं।

एमएससी कामेस्ट्री व एमकॉम की40-40 सीटें

प्रो. शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों को रुचि, भविष्य की संभावना व सीटों की उपलब्धता व फीस के अंतर के आधार पर विषय व कॉलेज का चयन कर फार्म भरने चाहिए। जिले के कालेजों में उपलब्ध सीटों के बारे में बताया कि एमएनएस कॉलेज भिवानी में राजनीतिक विज्ञान, इतिहास अर्थ शास्त्र, मनोविज्ञान, भुगोल, एमएससी कामेस्ट्री व एमकॉम की 40.40 सीटें, बवानीखेड़ा महिला कॉलेज में राजनीतिक विज्ञान की 40 सीटें, तोशाम राजकीय कॉलेज में इतिहास व एमकॉम की 40.40 तथा जोग्राफी की 60 सीटें, लोहारू राजकीय महाविद्यालय में इतिहास, हिन्दी,राजनीतिक विज्ञान व अंग्रेजी की 60.60 सीटें, सिवानी राजकीय महाविद्यालय में इतिहास, हिन्दी, अंग्रेजी, सोसियोलोजी की 40.40 सीटें, राजीव गांधी महिला कॉलेज भिवानी में एमएससी कम्प्यूटर साइंस 50 व एमकॉम की 40 सीटें उपलब्ध हैं।

रोहतक ने सिरसा को दी पटकनी

- श्रीबालाजी स्कूल में 18वीं सीनियर हरियाणा स्टेट नेटबॉल चैंपियनशिप संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

कलिंगा स्थित श्रीबालाजी स्कूल में आयोजित दो दिवसीय 18वीं सीनियर स्टेट नेटबॉल चैंपियनशिप (पुरुष वर्ग) का रविवार को समापन हो गया। प्रदेश स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता में रोहतक की टीम ने प्रथम तो सिरसा की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

समापन समारोह में बतौर मुख्यतिथि भारतीय नेटबॉल महासंघ के महासचिव विजेंद्र सिंह दहिया व विशिष्ठ अथिति स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर पवन कुमार व चंडीगढ़ नेटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास शर्मा, हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव बबीता दहिया ने शिरकत की। इस दौरान अंपायर पैनल से रोबिन, मनीषा, मनीष, प्रवीण पुनिया, साहिल गौतम, सुमित डगर, संसार, आदित्य, निशांत, विशाल व अंकुर मौजूद रहे। अतिथियों ने विजेता टीमों को मेडल पहनाकर व ट्राफी देकर सम्मानित किया। प्राचार्य बजरंग तंवर व रेणुका शर्मा ने बताया चैंपियनशिप में सेमीफाइनल मुकाबले में सिरसा ने सोनीपत को 34-30 अंक से व रोहतक ने जींद को 38-26 अंक से हराया था। थर्ड प्लेस के मुकाबले में जींद व सोनीपत के दोनों टीमों बराबर का स्कोर 45-45 रहा।

भिवानी। अतिथियों के साथ विजेता खिलाड़ी। *फोटो : हरिभूमि*

समाज की भलाई के लिए मिलकर काम करें

- सांवड़ में डूडीवाला ने किया परिवार मिलन समारोह का सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास विभाग के मैनेजिंग डायरेक्टर सुनील डूडीवाला के नेतृत्व में गांव सांवड़ में परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया। समारोह में सांवड़, हिंडोल, लांबा, कोहलावास, झिंझर, मिसरी, बौंद आदि गांवों के ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। सुनील डूडीवाला ने दादरी क्षेत्र के विकास और सामाजिक मुद्दों के समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है, ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम सामाजिक भाईचारे को और मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने समाज को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। इस दौरान सुनील डुडीवाला ने दादरी विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करवाने के अपने निश्चय को दोहराया व सामूहिक रूप से भागीदारी निभाने का आश्वासन लिया। उन्होंने कहा कि यदि हमारे दादरी के ग्रामीण क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना होती है तो हमारे आसपास के क्षेत्र में रोजगार सृजन होगा और उसी के साथ में अन्य संबंधित उद्योग पनपने का अवसर मिलेगा।

दादरी। परिवार मिलन समारोह में सुनील डूडीवाला व मौजूद लोग।

समस्याओं के जल्द निदान का आश्वासन

उन्होंने कहा कि समारोह हमें एक-दूसरे के करीब लाने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण मंच देता है। गांवों के सरपंचों को लेकर गावों की समस्याओं जैसे गांवों को आपस में जोड़ने वाली मुख्य सड़कें, सांवड में सामुदायिक केंद्र में ओपीडी एवं आसपास के सभी गांव में पीने के पानी एवं सिंचाई के लिए नहरी पानी की मांग सरकार के समक्ष रखकर जल्द से जल्द समस्याओं का निदान करने के लिए आश्वासन दिया।

स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारी ने सीएम से मिलने का लिया निर्णय

- रोज गार्डन में आजाद हिंद सैनिक सम्मान समिति की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

रोज गार्डन में आजाद हिंद सैनिक सम्मान समिति की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न संगठनों के विभिन्न जिलों के स्वतंत्रता सेनानी वंशजों के उत्तराधिकारी इकट्ठे हुए। बैठक में निर्णय लिया कि उनकी चिरकालीन मांग जो स्वतंत्रता सेनानियों के पोते-पोतियों व दयोते-दयोतियों की सरकारी नौकरियों में पृथक कम से कम 2 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। इस मांग को प्राथमिकता के तौर पर लिया जाए तथा अन्य कुछ राज्यों की भांति स्वतंत्रता सेनानियों की प्रथम पीढ़ी को सम्मान पेंशन दी जाए। इस संबंध में ये भी फैसला हुआ कि स्वतंत्रता सेनानी वंशजों का प्रतिनिधि मण्डल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शीघ्र ही मिलेगा और लिखित में अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेगा। बैठक में महेन्द्रपाल यादव भिवानी, समुद्र सिंह भिवानी, अमित सिंह महेन्द्रगढ़, दीपक कादयान झज्जर, आशीष रोहतक, नवनीत हिसार, राकेश रेवाड़ी, राजेश भांडवा, सुरेन्द्र डुडी, प्रदीप चरखी, अतर सिंह पालड़ी, राजेन्द्र अटेला, उमेद यादव, सोमबीर काकड़ौली, मीर सिंह अचीना, कदम कासनी, रोहताश व ओमप्रकाश रासीवास, नवीन निमली, युद्धवीर डोहकी, रामेश्वर पटेल चंदानी, जयभगवान रानीला ने अपने विचार प्रकट किए।

अग्निवीर योजना ने तोड़ा देश सेवा का सपना:फौजी

- पूर्व सीएम हुड्डा लोकसभा की सफलता से लबरेज युवाओं को आज देंगे चुनावी टिप्स

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कहा कि देश व प्रदेश के युवा व युवतियों में देश की सेवा का ज बा कूट कूट कर भरा है। वे सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करना चाहते है,लेकिन केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना ने उनके सपने को चकनाचूर कर दिया। क्योंकि वे अग्निवीर योजना के तहत सेना में भर्ती हो गए तो वे चार साल बाद उनको रिटायरमेंट होने की चिंता सताने लगेगी। ऐसे में वे किस तरह से देश की सेवा कर पाएंगे। हालांकि युवा खेल के मैदानों में भर्ती की तैयारियां जरूर कर रहे है कि सेना के नियमों में बदलाव हो,लेकिन जब तक अग्निवीर योजना लागू रही तो उनका सेना में जाने का कोई फायदा नहीं है।

फौजी आठ जुलाई को रोहतक रोड पर होने वाले पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा व कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान के कार्यकर्ता सम्मेलन की सफलता को लेकर जारी जनसम्पर्क अभियान के तहत गांव बलियाली में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उक्त सम्मेलन में भिवानी हिसार के सांसद जयप्रकाश, भिवानी महेंद्रगढ के प्रत्याशी रहे राव दान सिंह शामिल होंगे और कार्यकर्ताओं को चुनावी टिप्स देंगे। उन्होंने कहा कि विगत में संसद में रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने अग्निवीर का मुद्दा उठाया था और मांग की थी कि अग्निवीर योजना खतम करके पहले की भांति युवाओं की सेना में भर्ती होनी चाहिए।

भिवानी। जनसम्पर्क अभियान के दौरान लोगों से बातचीत करते पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी। *फोटो : हरिभूमि*

युवाओं में उत्साह

उन्होंने कहा कि सम्मेलन के प्रति युवाओं में जबरदस्त उत्साह है। उक्त सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। इस दौरान युवाओं को भी चुनावी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। क्योंकि विगत में हुए लोकसभा चुनावों में युवाओं की अहम भागीदारी रही थी। उन्होंने प्रदेश में भूपेंद्र सिंह हुडडा की अगुवाई में कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही जनहित की अनेक योजनाएं लागू करवाई जाएगी। ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं का फायदा मिल सके।

प्रदेश में मेडिकल सुविधाएं चरमराई डॉक्टर्स की भारी कमी : इंदु शर्मा

भिवानी। आम आदमी पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष इंदु शर्मा ने हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री के डॉक्टरों की भारी कमी के चलते डॉक्टरों को पैदा कहां से करें के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा ये बहुत ही शर्मनाक है, इससे साफ है भाजपा सरकार ने हाथ खड़े कर दिए हैं। लोगों को अस्पताल में मरने के लिए छोड़ दिया है, अगर पिछले दस सालों में कुछ किया होता तो डॉक्टरों के लिए अच्छा माहौल बनाया होता तो आज प्रदेश में डॉक्टरों की कमी नहीं होती। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश की जनता का स्वास्थ्य भगवान भरोसे चल रहा है। हरियाणा में स्थिति इतनी भयावह है कि 2035 लोगों पर एक डॉक्टर है। वहीं प्रदेश में साढ़े 28 हजार डॉक्टरों की जरूरत है, जबकि इसके आधे भी डॉक्टर रजिस्टर नहीं हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

2200 कम्प्यूटर लैब सहायक 13 को सड़कों पर उतरकर करेंगे सीएम हाउस का घेराव

मांगें पूरी नहीं होने से कम्प्यूटर लैब सहायकों में रोष

- कम्प्यूटर लैब सहायकों का वेतन मात्र 12 हजार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

विभिन्न मांगों को लेकर कंप्यूटर लैब सहायक वेलफेयर की जिला स्तरीय मीटिंग नेहरू पार्क में हुई। मीटिंग की अध्यक्षता कंप्यूटर लैब सहायक के प्रदेश प्रवक्ता प्रेमजीत संडवा की तथा संचालन जिला प्रधान संदीप ने किया।

इस मौके पर कंप्यूटर लैब सहायको ने कहा कि सरकार उनकी मांगें पूरी नहीं कर रही, इससे वे काफी नाराज है तथा 13 जुलाई को करनाल के कर्ण पार्क में एकत्रित होकर मुख्यमंत्री निवास की तरफ कूच करने का फैसला लिया है। प्रदेश प्रवक्ता प्रेमजीत संडवा ने कहा कि प्रदेशभर के करीबन 2200 कंप्यूटर लैब सहायकों में सरकार की अनदेखीपूर्ण रवैये के चलते काफी निराशा है, क्योंकि सरकार जान-बूझकर उनकी मांगों की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही, जिसके विरोध में कंप्यूटर लैब सहायकों ने 13 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास पर प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि कम्प्यूटर लैब सहायकों को करनाल से मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला ने 25 जनवरी को मुख्यमंत्री से मिलवाने का लिखित में समय दिया था, लेकिन आज तक मुख्यमंत्री से नहीं मिलवाया, जिसको लेकर कंप्यूटर लैब सहायकों में भारी रोष है। जिला प्रधान संदीप ने कहा कंप्यूटर लैब सहायक हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पिछले 13 वर्षों से कार्य कर रहे है और इस समय कम्प्यूटर लैब सहायकों का वेतन मात्र 12 हजार है। इतने कम वेतन में सरकार काम पूरा लेती है।

इस मौके पर जिला केमेटी सोमबीर, योगेश, सत्येंद्र, उषा, सविता, मनोज, मुकेश आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। विरोध स्वरुप एकत्रित कम्प्यूटर लैब सहायक। *फोटो : हरिभूमि*

छुट्टियों में काटा जा रहा वेतन

उन्होंने कहा कि सरकार हर कार्य को डिजिटल करती जा रही तो सरकार के हर डिजिटल कार्य में कंप्यूटर लैब सहायक का योगदान है। कंप्यूटर लैब सहायक स्कूलों में एमआईएस व इलेक्शन से संबधित और अन्य सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्य करते है। शिक्षा विभाग द्वारा हर साल 15 दिन सर्दी की छुट्टियों का वेतन और 30 दिन गर्मी की छुट्टियों का वेतन काटा जाता है, उनकी मांग है कि गर्मी व सर्दी में होने वाली छुट्टियों का वेतन न काटा जाए, वेतन में सम्मानजनक वृद्धि की जाए, सालाना इंक्रीमेंट दिया जाए, मेडिकल सुविधा दी जाए और 58 साल के लिए नौकरी सुरक्षित हो।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008